हिन्दी

(www.tiwariacademy.com)
(वसंत)(पाठ 17)(वीर कुँवर सिह)
(कक्षा 7)

प्रश्न अभ्यास

निबंध से

प्रश्न 1:

वीर कुँवर सिंह के व्यक्तित्व की कौन–कौन सी विशेषताओं ने आपको प्रभावित किया ?

उत्तर 1:

- 1. वीर कुँवर अत्यंत वार और साहसी योद्धा थे ।
- 2. देशभक्ति और स्वाधीनता उनके अन्दर कूट–कूट कर भरी थी।
- 3. भारत को अंग्रजों की दासता से मुक्ति दिलाने की उन्होंने प्रतिज्ञा ले रखी थी ।
- 4. निर्धन होने पर भी वे गरीबों की सहायता के लिए सदैव तत्पर रहते थे।
- 5. साम्प्रदायिक सद्भाव के लिए वे किसी भी हद तक प्रयासरत थें ।

प्रश्न 2:

कुँवर सिह को बचपन में किन कामों में मजा आता था? क्या उन्हें उन कामों से स्वतंत्राता सेनानी बनने में कुछ मदद मिली ?

उत्तर 2:

बचपन से ही कुँवर सिंह को पढ़ाई –लिखाई के अलावा कुश्ती , तलवारबाजी और घुड़सवारी का शौक था। उनकी इन्हीं आदतों ने उन्हें स्वतंत्रता की लड़ाई लड़ने में काफी मदद की । वृद्धावसथा में उनका कुश्ती लड़ना काम आया और तलवाबाजी तथा घुड़सवारी के दम पर उन्होंने अंग्रेजों को परास्त किया ।

प्रश्न 3:

सांप्रदायिक सद्भाव में कुँवर सिह की गहरी आस्था थी। पाठ के आधार पर कथन की पुष्टि कीजिए।

उत्तर 3:

कुँवर सिंह की साम्प्रदायिक सद्भाव में गहरी आस्था थी । वे हिन्दू और मुसलमान दोनों में समानता रखते थे। , इसीलिए उन्होने अपनी सेना में इब्राहीम और किफायत हुसैन जैसे वीर मुसलमानों को अपनी सेना में उच्च पदों पर नियुक्त किया । उनके यहॉ दोनों के त्योहार आपस में मेललोल के साथ मनाए जाते थे।

प्रश्न 4:

पाठ के किन प्रसंगों से आपको पता चलता है कि कुँवर सिह साहसी, उदार एवं स्वाभिमानी व्यक्ति थे ?

उत्तर 4:

कुँवर सिंह एक उदार और साहसी वयक्ति थे यह कुछ प्रसंगों से सिद्ध हो जाता है । उन्होंने जगदीशपुर को हार जाने के बाद भी संघर्ष जारी रखा और उस पर विजय प्राप्त करके ही दम लिया । आर्थिक स्थिति कमजोर हो जाने के बाद भी उन्होने गरीबों की सहायता करना नहीं छोड़ा और और अपने तथा देश के स्वाभिमान के लिए वे अंग्रजों से आजादी के लिए संघर्ष करते रहे ।

प्रश्न 5:
आमतौर पर मेले मनोरंजन, खरीद फरोख्त एवं मेलजोल के लिए होते हैं। वीर कुँवर सिह ने मेले का उपयोग किस रूप में किया?

उत्तर 5:
मेला मोरंजन के लिए एक उत्तम साधन है पर हर व्यक्ति अपने हिसाब से हर जगह का उपयोग करता है और कुँवर सिंह ने मेले को अंग्रेजों के खिलाफ विद्रोह की योजना बनाने के लिए प्रयोंग किया । मेले में पशुओं की खरीद–फरोख़्त होती थी और उसमें विद्रोही क्रांन्तिकारी भी आते थे इसलिए उनसे वहॉ पर गुप्त योजनाएं बनाना आसान था ।

निबंध से आगे

प्रश्न 1:
सन् 1857 के आंदोलन में भाग लेने वाले किन्हीं चार सेनानियों पर दो–दो वाक्य लिखिए।

उत्तर 1:
सन् 1857 के स्वतंत्रता संग्राम के चार मुख्य सेनानी इस प्रकार थे –

- **मंगल पांडे** – मंगल पांडे अंग्रजों की सेना में एक सिपाही था उसके अन्दर अंग्रजों के प्रति गुस्सा कूट–कूट कर भरा था । उस समय कारतूस में गाय की चर्बी का उपयोंग होता था । उसने उसका विरोध किया था ।
- **रानी लक्ष्मीबाई** – रानी लक्ष्मीबाई झांसी की महारानी थी । अंग्रेजो की नीति अनुसार उनके पति की मृत्यु और कोई वारिस न होने पर झांसी को अपने राज्य में मिलाने का फैसला किया , मगर रानी ने अपने जीते जी अपनी झांसी किसी को नहीं देने की कसम खाई और अंग्रेजों से लडते–लड़ते वीर गति को प्राप्त हो गई ।
- **नाना साहब** – नाना साहब कानपुर के राजा थे और रनी लक्ष्मीबाई कों अपनी छोटी बहन मानते थे । वे भी 1857 के स्वतंत्रता संग्राम अंग्रजों से बहादुरी से लड़े थे ।
- **अजीमुल्लाह खान** – ये नाना साहब के कानूनी सलाहकार थे और परम देशभक्त तथा वीर योद्धा थे। ये अंग्रजों के साथ लड़ते–लड़ते अंग्रजों के हाथों पकड़े गए थे।

प्रश्न 2:
सन् 1857 के क्रांतिकारियों से संबंधित गीत विभिन्न भाषाओं और बोलियों में गाए जाते हैं। ऐसे कुछ गीतों को संकलित कीजिए।

उत्तर 2:
छात्र पुस्तकालय से विभिन्न भाषाओं और बोलियों के क्रांतिकारी गीत इकट्ठे करेंगे ।

अनुमान और कल्पना

प्रश्न 1:

वीर कुँवर सिह का पढ़ने के साथ–साथ कुश्ती और घुड़सवारी में अधिक मन लगता था। आपको पढ़ने के अलावा और किन–किन गतिविधियों या कामों में खूब मजा आता है ? लिखिए।

उत्तर 1:

छात्र अपनी रुचि के अनुरूप अपनी गतिविधियों को कक्षा में लिखित रूप में प्रस्तुत करेंगे ।

प्रश्न 2:

सन् 1857 में अगर आप 12 वर्ष के होते तो क्या करते ? कल्पना करके लिखिए।

उत्तर 2:

हम भी अपनी क्षमता के अनुसार आजादी की लड़ाई में बढ़–चढ़ कर हिस्सा लेते ।

प्रश्न 3:

आपने भी कोई मेला देखा होगा। सोनपुर के मेले और इस मेले में आप क्या अंतर पाते हैं ?

उत्तर 3:

सोपनुर का मेला 1857 के समय के मेले के बारे में बताता है उस समय के मेले में जानवरों की खरीद –फरोख्त होती थी और पुराने जमाने के झूले हुआ करते थे । आजकल के मेलों में जगमगाहट ,नए–नए झूले और खाने–पीने का काफी सामान मिलता है ।